8 मार्च, 2021

विश्व महिला दिवस के अंतर्गत संसद भवन में आयोजित कार्यक्रम में संबोधन

———

- आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यहां उपस्थित महिला सांसदों और पत्रकारों सहित आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

- महिला सांसद और महिला पत्रकार दोनों के कर्मक्षेत्र अलग-अलग हैं, परन्तु दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा और समर्पण भावना से कार्य करते हुए समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं। हमारे बीच जो महिला सांसद हैं, उन्होंने अपना जीवन समाज और राष्ट्र की सेवा तथा वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित किया है।

- सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में काम करना आसान नही हैं।

- यह बहुत कठिन रास्ता है जहां अनेक प्रकार की चुनौतियां होती हैं, अनेक प्रकार की कठिनाइयां आती हैं।

- महिलाओं में विशिष्ट क्षमता, धैर्य, आत्मबल, संकल्प शक्ति और साम्य होता है। इन्हीं विशिष्ट गुणों के कारण महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में पंच, सरपंच, वार्ड काउंसिलर से लेकर संसद सदस्य के रूप में अपना कार्य कुशलता से करती हैं। साथ ही वे समाज और देश में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

- आप सब महिलाएं यहां देश की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था संसद के अंदर जनता की भावनाओं को, उनके विषयों को, उनकी कठिनाइयों-तकलीफों को सदन में रखती हैं ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण हो सके।

- आपमें अद्भुत सेवा और समर्पण का भाव होता है, जिससे आप जनता के प्रति संवेदना के साथ कार्य करती हैं। आपका लक्ष्य समाज में रचनात्मक बदलाव लाना है ताकि समाज के सभी वंचित एवं पिछड़े वर्गों का कल्याण सुनिश्चित हो सके।

- हमारे देश में सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में सर्वोच्च पदों पर महिलाओं ने नेतृत्व किया है और समाज के विकास के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है। देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य करते हुए महिलाओं ने सक्षम नेतृत्व प्रदान किया है।

- मुझे खुशी है कि पहली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या जहां 24 थी, वहीं 17वीं लोकसभा में सर्वाधिक 78 महिला सांसद अपनी कुशलता तथा प्रतिबद्धता के कारण निर्वाचित हुई हैं। मैं आप सबको बधाई देता हूं। हमारे बीच में महिला पत्रकार भी उपस्थित हैं। पत्रकारिता का क्षेत्र बहुत विशिष्ट है।

- महिला पत्रकारों में जनता के विषयों के प्रति अधिक करूणा, संवेदना और सहानुभूति होती है, इसलिए समाज की कठिनाइयों और मुसीबतों का वास्तविक चित्रण वे अपने लेखन के माध्यम से, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से या सोशल मीडिया के माध्यम से करती हैं और समाज के वंचित वर्ग की समस्याओं को सरकार और समाज के सामने रखती हैं।

- आप सभी मुश्किल चुनौतियों और विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य करते हुए अपने साहस और सामर्थ्य से हर कठिनाई पर विजय पाकर समाज में बदलाव लाने का काम करती हैं। मैं आपको भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

- **आज हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं। यह आपकी इन्हीं उपलब्धियों का उत्सव मनाने का पर्व है। यह दिवस आपके विशिष्ट कार्यों को समाज और देश के सामने लाने का अवसर है।**
- आपके कार्यों से समाज के सभी वर्गों को प्रेरणा मिलती है कि वे देश और समाज में रचनात्मक बदलाव के लिए संकल्पित होकर कार्य करें।
- एक बार पुनः आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं। धन्यवाद। जय हिंद।